कुल पृष्ठ संख्या– 20 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 1921827

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

B.S.E.R. D

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	
2	06	20	
3	08	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	03	28	
11	03	29	
12	05	30	
13	05	31	
14	05	योग	80
15	04	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	04	अंकों में	शब्दों में
17	04	80	Eigthy
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर [illegible]

संकेतांक 6 2 4 7 8

(प

नोट :– ... किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय Sanskrit

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 27-02-2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3)कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थः 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–

   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्देर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।

   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।

5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सरस्वत्यै नमः

गुरवे नमः

खण्ड- अ

प्र०1 ------------------------?

उत्तर

प्रश्न	विकल्प	उत्तर
(i)	(स)	लतातरुगुल्माः
(ii)	(ब)	व्याघ्रम्
(iii)	(अ)	कुशलवौ
(iv)	(ब)	महाभारतात्
(v)	(द)	वसन्तस्य
(vi)	(स)	काकः
(vii)	(ब)	आचारः
(viii)	(अ)	ग्रीष्मकाले
(ix)	(स)	लोकेऽस्मिन्
(x)	(अ)	सम् + जाता
(xi)	(द)	खल्वेतत्
(xii)	(ब)	बहुव्रीहिः
(xiii)	(अ)	द्वितीया
(xiv)	(द)	पञ्चमी
(xv)	(स)	चतुर्थी
(xvi)	(स)	त्वया
(xvii)	(ब)	सपाद- अष्ट
(xviii)	(अ)	वसति

1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

18

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(2).	----------------?
+1	(i)	बहुभूमिकभवननिर्माणं न करणीयम् । (कृ + अनीयर्)
+1	(ii)	अन्योऽपि बुद्धिमान् लोके मुच्यते महतो भयात्। (बुद्धि + मतुप्)
+1	(iii)	'निजबुद्ध्या विमुक्ता सा भयात् व्याघ्रस्य भामिनी।' (विमुक्त + टाप्)
+1	(iv)	लोकानां पश्यताम् एव सर्वत्र जलोपप्लवः सञ्जातः। (इव, एव, यथा)
+1	(v)	एते पर्वताः अपि भूकम्पं जनयन्ति। (अपि, इति, यत्)
6 +1	(vi)	क्रुद्धः सिंह इतस्ततः धावति। (इतस्ततः, उपरि, अधः)
	(3)	-----------------?
	उत्तरम्	
	(क)	एकपदेन उत्तरत:-
+1	i)	विहाम।
+1	ii)	सोमः।
	(ख)	पूर्णवाक्येन उत्तरत:-
+2	उत्तरम्	चोराः सोमस्य धनम् अहरन्।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 (ग) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकम् - 'विद्याधनम्' अथवा 'विद्यायाः लाभः' अस्ति।

(घ) भाषिककार्यम् :-
1 (i) 'चोराः'।
1 (ii) 'वर्षाणि'।
1 (iii) रामस्य।
8 ('सोमः रामस्य सेवकः अभवत्।')

खण्ड-ब

(4). ---------------- ?
उत्तरम्
1 i) प्रतिदिनं प्रातःकाले (9:30) सार्धनववादने रेलयानं नगरं गच्छति।
1 ii) अहं सायंकाले (5:45) पादोनषड्वादने क्रीडाक्षेत्रम् गच्छामि।
2

(5). -------------- ?

2 उत्तरम्- अहं श्वः विद्यालयं गमिष्यामि।

(6). --------------- ?

2 उत्तरम्- मोहनेन ग्रामः गम्यते। (कर्मवाच्य)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(7). - - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम् पीताम्बरम् - पीतं च तत् अम्बरम्।
(कर्मधारयः समासः)

2

(8). - - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम् संकेतः- एकेन राजहंसेन .... परितस्तीरवासिना ॥

प्रसंगः-
प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी - द्वितीय भाग' के पाठ 'अन्योक्तयः' से लिया गया है। मूल रूप से यह कवि 'पण्डित राजजगन्नाथ' द्वारा रचित 'भामिनी विलास' में संग्रहीत है।

भावार्थ:-
एक राजहंस के द्वारा सरोवर की जो शोभा होती है, वह उस सरोवर के तीर (किनारे) पर रहने वाले हज़ारों बगुलों से भी संभव नहीं है अर्थात् कुल की शोभा के लिए हज़ारों गुणहीन पुत्रों से एक गुणवान पुत्र ही श्रेष्ठ है।

2

व्याकरण टिप्पणी:-
परितस्तीरवासिना - परितः + तीरवासिना।
(सत्व विसर्ग संधि)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(9). - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम् अन्वयः -

(2) अमन्त्रम् अक्षरम् (i) नास्ति , (ii) अनौषधम् मूलं नास्ति, अयोग्यः पुरुषः (iii) नास्ति , तत्र योजकः (iv) दुर्लभः ।

खण्ड-स

(10). - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम्

+1 (क) सर्वदा सर्वकार्येषु का बलवती भवति?

+1 (ख) वयोऽनुरोधात् कः लालनीयः भवति?

+1 (ग) केषां प्रथमः शत्रुः क्रोधः अस्ति?

(3)

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(11). - - - - - - - - - - - - - - - - ? (पाठ सार:)

उत्तरम्

"जननी तुल्यवत्सला"

'जननी तुल्यवत्सला' पाठ मूलतः 'महर्षि वेद व्यास' द्वारा रचित 'महाभारत' के 'वनपर्व' से लिया गया है। यहाँ माता के पुत्रों के प्रति समान रूप से दर्शाए गए प्रेम का वर्णन है।

एक बार एक किसान अपने दो बैलों को लेकर खेत में जुताई का कार्य करने गया। है उन दो बैलों में से एक दुर्बल था। हल उठाकर चलने में असमर्थ वह भूमि पर गिर पड़ा। किसान ने उसे कई बार उठाने की कोशिश की। परंतु वह उठ नहीं पाया।

यह देखकर सभी गायों की माता सुरभि की आँखों में आँसू आ गए। सुरभि की इस दशा को देखकर जब देवराज इन्द्र ने इसका कारण पूछा तो वे बोली-

> " विनिपातो न वः कश्चिद् दृश्यते, त्रिदशाधिपः!।
> अहं तु पुत्रं शोचामि, तेन रोदिमि, कौशिकः!।।"

"हे इन्द्र! आपको जमीन पर गिरा हुआ कोई नहीं दिख रहा है। मैं तो पुत्र के लिए शोक प्रकट करने के लिए रो रही हूँ।" तब इन्द्र ने पूछा - "परंतु तुम्हारे तो हज़ारों पुत्र हैं, तब इस पर अधिक दया क्यों है?"

तब सुरभि ने बताया - " निश्चय ही मेरे हज़ारों पुत्र हैं परंतु माता का स्नेह कमजोर व दुर्बल पुत्र पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अधिक होता है। यह बैल अन्य बैलों से दुर्बल है व दूसरे के समान जुए को उठाकर चलने में असमर्थ है।

अतः इस पुत्र की पीड़ा को अनुभव करके इस पर विशेष रूप से अत्याधिक कृपा है।" यह सुनकर देवराज इन्द्र का हृदय भी द्रवित हो उठा। उन्होंने सुरभि से कहा- "जाओ। सब ठीक होगा।

तभी इन्द्र की कृपा से तेज हवा और बादलों की गर्जना के साथ वर्षा आरंभ हो गई। सभी ओर बाढ़ जैसा दृश्य उत्पन्न हो गया। वह किसान भी खेत जोतने के कार्य से निवृत्त हो कर प्रसन्नतापूर्वक दोनों बैलों को लेकर घर चला गया।

अतः सत्य ही कहा गया है -

"सर्वेषु अपत्येषु जननी तुल्यवत्सला।
दीने पुत्रे तु सा माता कृपार्द्रहृदया भवेत्॥"

3

BSER-181 2026

अर्थात्

सभी पुत्रों पर माता का स्नेह समान रूप से होता है परंतु कमजोर पुत्र पर तो स्वभाव से ही माता की अत्याधिक दया होती है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(12) - - - - - - - - - - - - - - - - - - ?
उत्तरम्

(क) एकपदेन उत्तरत :-
1 उत्तरम्- बंकिमचन्द्रः।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत:-
2 उत्तरम्-न्यायाधीश: सर्वं वृतमवगम्य अभियुक्तं निर्दोषं आरक्षिणं दोषभाजनम् च अमन्यत।

(ग) भाषिककार्यम् :-
1 (i) 'सर्वं वृत्तम् अवगम्य' अत्र विशेष्यपदं -'वृत्तम्' अस्ति।
1 (ii) 'स निर्णेतुं न अशक्नोत्।' अत्र क्रियापदं - 'अशक्नोत्' अस्ति।

5

BSER-181/2026

---

(13) - - - - - - - - - - - - - ?

(क) एकपदेन उत्तरत :-
1 उत्तरम्- यानानाम्।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत: -
1 उत्तरम्- शतशकटीयानं कज्जलमलिनं धूमं मुञ्चति।

(ग) भाषिककार्यम् :-
1 (i) 'वाष्पयानमाला संधावति वितरन्ती ध्वानम्' अत्र क्रियापदं - 'संधावति' अस्ति।
1 (ii) 'कज्जलमलिनम् धूमं मुञ्चति।' विशेषणपदं 'कज्जलमलिनम्' अस्ति।

5

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(१५). - ?

(क) एकपदेन उत्तरत :-

+1 उत्तरम्- रामस्य।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत :-

+2 उत्तरम्- सीता कुशलवयोः अविनयं दृष्ट्वा एवम् आधिक्षिपति- निरनुक्रोशस्य पुत्रौ, मा चापलम् इति।

(ग) भाषिककार्यम् :-

+1 (i) 'किं कुपिता एवं भणति?' अत्र क्रियापदं - 'भणति' अस्ति।

+1 (ii) 'निर्दयः' इति पदस्य नाट्यांशात् पर्यायपदं 'निरनुक्रोशः' अस्ति।

5

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

(15) ------------------?

उत्तरम् -

गगनपुरतः

दिनाङ्क - 23 फरवरी 2025

प्रियमित्र! धनेश!

(i) सादरम् नमस्ते।

अत्र कुशलम् (ii) तत्राऽस्तु। संस्कृतसम्भाषण-कौशलवर्धनाय प्रतिवर्षमिव अस्मिन् वर्षेऽपि मम विद्यालये संस्कृतसम्भाषणशिबिरस्य (iii) आयोजनम् भविष्यति। एतत् शिबिरं (iv) पूर्णतया निःशुल्कं भविष्यति। दशदिवसीयस्य एतस्य शिबिरस्य आयोजनं (v) ग्रीष्मावकाशे जूनमासस्य प्रथमे सप्ताहे भविष्यति। सम्भाषणकौशलवर्धनाय एषः (vi) उत्तमः अवसरः अस्ति। भवान् अपि मया सह अस्मिन् (vii) शिबिरे भागं गृह्णातु।

अस्तु, नमो नमः।

भवतः सुहृद्

(viii) व्योमकेशः

(4)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(16) ---------------- ?

उत्तरम् -

लता - भवती (i) कुतः आगच्छति ?

वीणा - अहं चिकित्सालयात् (ii) आगच्छामि ।

लता - इदानीं भवत्याः (iii) स्वास्थ्यम् कथम् अस्ति ?

4

वीणा - मम स्वास्थ्यं (iv) समीचीनम् नास्ति।

लता - का वेदना (v) अस्ति ?

वीणा - मम (vi) शिरोवेदना भवति।

लता - (vii) औषधम् स्वीकृतं वा ?

वीणा - आम्, अहम् औषधं (viii) स्वीकृतवती ।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(17) - - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम् -

+1 (ii) अहं पुस्तकं पठामि।

+1 (iii) ग्रामं परितः वृक्षाः सन्ति।

(4)

+1 (v) रामः श्वः विद्यालयं गमिष्यति।

+1 (i) स नृपः भिक्षुकाय धनं ददाति।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(18). - - - - - - - - - - - - - - - ?

उत्तरम् -

(iv) एकः बुभुक्षितः जम्बुकः आसीत्। (1)

(vi) वने सः एकत्र द्राक्षालतां पश्यति। (2)

(ii) लतायां अनेकानि मधुराणि द्राक्षाफलानि सन्ति। (3)

3 (v) सः द्राक्षां लब्धुम् उपरि उत्पतति। (4)

(i) किन्तु द्राक्षाफलानि न प्राप्नोति। (5)

(iii) कुपितः सः "द्राक्षाफलानि अम्लानि" इति वदति। (6)

80 Eighty

~ समाप्तम् ~

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

रीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026